with the connivance of IAC and Air India;

(b) whether it is also a fact that a large number of baggages and infant children are mishandled by Air India;

(c) if so, what remedial measures Government propose to take to safeguard the interest of the passengers travelling by the National carriers; and

(d) in how many cases the corporations have launched disciplinary action against erring staff who are found responsible for off-loading of passengers and material by IAC and Air India?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TOURISM (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) No, Sir.

(b) No, Sir. However an isolated case occurred in Air India, involving erroneous deplanement of two unaccompanied minors at Goa, who were destined for Trivandrum.

(c) and (d) Stringent pre-flight ana post-flight checks, constant review of allocations and regular monitoring of tourist group movements are undertaken by the Airlines to avoid off-loading of passengers. While there are cases where action has been initiated against sMff for various lapses, there is hardly any case of fraudulent Offloading of passengers.

Railway overbridge at Vikarabad

1850. SHRI PRABHAKAR RAO KALVALA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the construction work of a railway overbridge at Vikarabad has started; and

(b) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) Yes, Sir.

(b) Does not arise.

Development of Vayalpadu railway station in Chittoor District, Andhra Pradesh

1851. SHRI TALARI MANOHAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to develop the Vayalpadu railway station in Chittoor District, Andhra Pradesh keeping in view of the difficulties being faced by the passengers; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

संसद भवन तथा संसदीय सौध में खानपान सेवा में कार्यरत कर्मचारी

1852. **श्री सूरज प्रसाद :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि यदि कर्मचारियों को काम के सामान्य घंटों के बाद ड्यूटी पर रोका जाता है तो उन्हें या तो ओवरटाइम अलाउंस दिया जाता है या प्रति पूरक छुट्टी दी जाती है; और

(ख) यदि हां, तो संसद भवन और संसदीय सौध की रेलवे कैंटीनों में कार्य कर रहे कर्मचारियों को किन कारणों से कोई ओवरटाइम अलाउंस नहीं दिया जाता यद्यपि वे इन कैंटीनों में सुबह 9 बजे से रात 11 बजे तक लगातार कार्य करते हैं ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) स्थायी नियमों और विनियमों के अनुसार पात्र रेल कर्मचारियों को रोस्टर घंटों से अधिक काम करने के लिए समयोपरि भत्ते का भुगतान किया जाता है ।

(ख) संसद भवन और संसदीय सौध में कार्यरत रेलवे खान-पान कर्मचारियों को जो नियमों के अनुसार पात्र होते हैं रोस्टर घंटों से अधिक काम करने के लिए समयोपरि भत्ते का भुगतान किया जाता है ।

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग द्वारा आयोजित परीक्षाएं

1853 **श्री राम नरेश कुशवाहा** : क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग (इलाहाबाद) प्रथमा मध्यमा तथा उत्तमा (साहित्य रत्न) की परीक्षाएं आयोजित करता है जिन्हें सरकार ने 1971 में क्रमश: मैट्रिक बी०ए० (हिन्दी) और बी० ए० (आनर्स) के समकक्ष माना था ;

(ख) क्या यह सच है कि वर्ष 1971 में शिक्षा मंत्रालय द्वारा मान्यता प्रदान किए जाने के समय उक्त संस्था केवल हिन्दी (साहित्य) की ही परीक्षा लेती थी और इसलिए इसे बी० ए० (हिन्दी) के समकक्ष माना गया था ; परन्तु इस समय यह संस्था दो अतिरिक्त विषयों के साथ मध्यमा की परीक्षा लेती है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि नवम्बर 1986 में इस संबंध में कुछ संसद सदस्यों द्वारा एक ज्ञापन भेजा गया था ; और

(घ) यदि हां, तो इस मामले में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और सांस्कृतिक विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा शाही) : (क) और (ख) जी हां। स्वैच्छिक संगठन हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को वर्ष 1971 से ही मैट्रिक बी०ए० और बी०ए० (आनर्स) हिन्दी के हिन्दी स्तर के समकक्ष मान्यता प्रदान की गई है । हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग चूंकि कोई सांविधिक संस्था नहीं है, जो उपाधियां प्रदान कर सके अत: दो अतिरिक्त विषयों के साथ मध्यमा परीक्षा को पूर्ण रूप से बी०ए० डिग्री के समकक्ष मान्यता प्रदान नहीं की गई है ।

(ग) और (घ) जी हां । एक ज्ञापन प्राप्त हुआ था परन्तु उपरोक्त कारणों से इसे स्वीकार नहीं किया जा सका ।

Drawing Teachers in Kendriya Vidyalayas

1854. SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY; Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that drawing is taught in Kendriya Vidyalayas all over the country;

(b) if so, whether it is taught at plus two stage also; and

(c) if so, why there is no post of Post Graduate Teachers in this subject?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) and (b) No, Sir. Drawing is not taught as a separate subject in Kendriya Vidyalayas at any stage.

(c) Does not arise.